



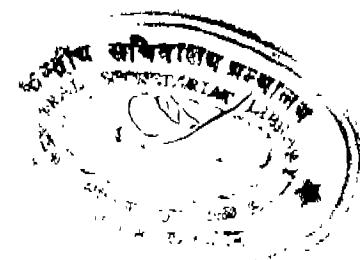
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 46]

नई दिल्ली, दूहसप्तमवार, नवम्बर 19, 1992/कार्तिक 28, 1914

No. 46] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 19, 1992/KARTIKA 28, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be field as a separate compilation

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

प्रधिकारिता

दसमाई, 19 नवम्बर, 1992

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतर्रांग व्यापार) विनियम,
1992

संख्या एल. ई./6308/92—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित विनियम अनाता है; प्रयोगतः—

प्रधारण

प्रारंभित

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतर्रांग व्यापार) विनियम, 1992 है।

(2) ये विनियम राजपत्र में उसके प्रकाशन की सारीक्र को प्रयृत होंगे।

2. परिभाषाएः—इन विनियमों में जब तक मंदर्भ से अन्यथा अनेकांत न हो,—

(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है;

(ख) "निगमित निकाय" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 2 में यथापरिभावित निगमित निकाय न है;

(ग) "वृद्ध व्यक्ति" से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो—

(i) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 2 के अंडे (13) में यथापरिभावित कंपनी का निवेशक है या उस प्रधिनियम की धारा 307 के उपर्युक्त (10) के आधार पर कंपनी का निवेशक समझा जाता है;

(ii) कंपनी के नियमों तारी या कर्मचारी का पद या गिरा पद धारण करता है जिसमें उसके और कंपनी के बीच वृत्तिक या व्यवारी संबंध अंतर्वलित है और जिसके बारे में युक्तियुक्त प्रत्याशा की जा सकती है।

कि उसे उस कंपनी के संबंध में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच होगी;

(घ) "प्रतिभूतियों में अवहार करना" से किसी व्यक्ति द्वारा मालिक या अभिकर्ता के रूप में किन्हीं प्रतिभूतियों में कृप विक्रय या कृप विक्रय या अवहार करने का कारण करना अभिप्रेत है;

(ङ.) "अंतरंग व्यक्ति" से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो कंपनी के साथ संबद्ध है या या कंपनी के साथ सबद्ध समझा जाता है और जिसके बारे में यह प्रत्याशा की जाती है कि ऐसे संबंध के प्राधार पर उसे कंपनी की प्रतिभूतियों की आवृत अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक पहुँच है या जिसने ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी प्राप्त की है या जिसे उस तक पहुँच रहा है;

(ज) "अव्यक्त ग्राहिकारी" से बोहु का कोई ग्राहिकारी या कोई प्रत्य व्यक्ति अभिप्रेत है जो कर्म, निगमित निकाय या व्यक्ति संगम नहीं है जिसे प्रतिभूति बाजार में संबंधित समस्याओं के संबंध में कार्यवाही करने का अनुभव है और जो बोहु द्वारा प्रधारण 3 के अंतर्गत प्राप्तिकृत है;

(झ) "कंपनी का अधिकारी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 2 के खंड (30) में व्यापरिभावित कोई व्यक्ति है जिसके अन्वयम लेवारोयक है;

(ज) "व्यक्ति के बारे में समझा जाता है कि वह संबद्ध व्यक्ति है," यदि ऐसा व्यक्ति,—

(i) व्यास्त्विति, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा: 70 की उपधारा (1ब) या धारा 372 की उपधारा (11) या एकाधिकार तथा अपरोधक अपारिक अवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 2 के उपखंड (8) के ग्रंथ के भीतर उसी प्रबंध या समूह के अधिन कंपनी है या उसकी कोई समुदायों कंपनी है; या

(ii) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की अमश: धारा 2 के खंड (ग) और धारा 17 के ग्रंथ के भीतर किसी स्टाक एकमचेज का या उस स्टाक एकमचेज के किसी समझाधन गृह का पदवारी या सदस्य या प्रतिभूतियों में अवहारी या किसी स्टाक एकमचेज के ऐसे सदस्य या अवहारी का कोई कर्मचारी है;

(iii) मॉटे बैंकार, शेयर अंतरंग अभिकर्ता, किसी निगमन का रजिस्ट्रार, डिविन्चर न्यायी, दनाल, सेवाभाग प्रबन्धक, विनियान सलाहकार, उप-दलाल, विनियान कानून या उपकार कर्मचारी है या किसी पारस्परिक निविक के न्यायी बोहु का सदस्य या किसी पारस्परिक निविक की अस्ति प्रबंध कंपनी के निदेशक बोहु का सदस्य है या उपकार कर्मचारी है जिनका कंपनी के साथ व्यवस्थित संबंध है;

(iv) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 4क में व्यापरिभावित पश्चिम विनीय संस्था के निदेशक बोहु का सदस्य या कर्मचारी है; या

(v) मन्त्र प्राप्ति स्वतः विनियमनकारी संगठन का पदवारी या कर्मचारी या किसी विनियमनकारी निकाय के बोहु द्वारा प्राप्ति कृत है; या

(vi) पूर्व विनियम व्यक्तियों में से किसी का नामदार है;

(vii) कंपनी का देकार है।

(स) "नेत्रार" मे कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 6 में व्यापरिभावित व्यक्ति अभिप्रेत है;

(झ) "स्टाक एकमचेज" मे वह स्टाक एकमचेज अभिप्रेत है जो केवल सरकार द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 4 के प्रधोत मान्यताप्राप्त है;

(ट) "अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी" से ऐसी कोई जानकारी अभिप्रेत है जो निम्नलिखित बातों से संबंधित है या जिसका कंपनी मे प्रत्यक्षतः या अवश्यकतः बास्ता है और जो माध्यरानन्दा ज्ञान नहीं होता है या जागरण को जानकारी के लिए ऐसी कंपनी द्वारा प्रकाशित नहीं को जाती है किन्तु जो सदि प्रकाशित को जाए या ज्ञान हो जाए तो उसे बाजार में उस कंपनी की प्रतिभूतियों की कीमत पर तात्काल रूप से प्रभाव पड़ता संभव्य है

(i) कंपनी के (अद्व-व्यापिक और व्यापिक दोनों) विमाय परिणाम;

(ii) वायोजनों (अंतरिम और चान्त्रिम दोनों) का अंगठित शोषणा;

(iii) पब्लिक अधिकारों, बोनस, ग्राहित के लिए सेरों का निर्मान;

(iv) नई परियोजनाओं को कोई अवधार विस्तार या निष्पादन;

(v) समाजेन, विलय और ग्रहण;

(vi) पूर्ण या मारन: पूर्ण उत्पक्ष का व्यवन,

(vii) ऐसी अन्य जानकारी जिसने कंपनी के उत्तर्जनों पर प्रभाव पड़े;

(viii) कंपनी को नामियों, वोजनाओं या संकियाओं में कोई परिवर्तन।

प्रधारण 2

अवहार करने, सूचना देने या परामर्श देने पर प्रतिवेद

3. अंतरंग व्यापार से संबंधित बातों में अवहार करने, सूचना देने या परामर्श देने पर प्रतिवेद—कोई भा अंतरंग व्यक्ति—

(i) किसी अप्रकाशित कामन संवेदनशील जानकारी के आधार पर किसी स्टाक एकमचेज में सूचना कोनी की प्रतिभूतियों में अपने निमित्त या किसी अन्य व्यक्ति के निमित्त अवहार करने नहीं करेगा,

(ii) किसी व्यक्ति को किसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी की सूचना देनी जानकारी के लिए उनके अनुरोध पर या उपकार देना नहीं है ऐसा जब कारशार के मामूली अनुक्रम में या किसी विविध के अंतर्गत अपेक्षित हो अवश्य नहीं, या

(iii) अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के आधार पर किसी कंपनी की प्रतिभूतियों में अवहार करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को परामर्श नहीं देगा या उसे उपाप्त नहीं करेगा।

4. अंतरंग व्यापार से संबंधित उपबंधों का अतिक्रमण—कोई अंतरंग व्यक्ति जो विनियम 3 के उपबंधों के उल्लंघन में प्रतिभूतियों में अवहार करता है या प्रतिभूतियों में अवहार करने वाले किसी व्यक्ति को किसी जानकारी की सूचना देना है या परामर्श देता है वह अंतरंग व्यापार का दोषी होगा।

अध्याय 3

अन्वेषण

5. बोर्ड का अन्वेषण करने का अधिकार:—(1) जहाँ बोर्ड को अपने कर्जों में विनियम जानकारी के आवार पर यह गद है कि उपचिनियम (2) में विनियित प्रयोजनों में से किसी के लिए किसी अंतरंग व्यक्ति को लेखा-अहिंसा, अन्य अभिलेखों और दस्तावेजों का अन्वेषण और निरीक्षण करना आवश्यक है वहाँ यह उक्त प्रयोजन के लिए अन्वेषण प्राधिकारी नियुक्त कर सकेगा।

(2) उपचिनियम (1) में नियित प्रयोजन निम्नलिखित हो सकेंगे:

(क) अंतरंग व्यापार के अधिकारी या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त विनियानकर्ताओं, मध्यवर्तीयों या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों का अन्वेषण करना; और

(ख) इन विनियमों के भंग के लिए विश्व विभागीयों में विनियानकर्ताओं के हित का संरक्षण करने के लिए अपने जान या अपने कठोर में जानकारी पर स्वप्रेरणा से अन्वेषण करना।

6. अन्वेषण के लिए प्रक्रिया:—(1) विनियम 5 के अधीन कोई अन्वेषण करने के पूर्व बोर्ड अंतरंग व्यक्ति का उत्त प्रयोजन के लिए युक्तियुक्त सूचना देगा।

(2) उपचिनियम (1) में किसी बात के लिए हुए भी जहाँ बोर्ड का समाधान हो जाता है कि विनियानकर्ताओं या नोकहित में ऐसी सूचना नहीं देनी चाहिए वहाँ यह विनियित अवधेश द्वारा निरेश दे सकेगा कि ऐसी सूचना के बिना ही अन्वेषण किया जाए।

(3) बोर्ड द्वारा सधारक किए जाने पर अन्वेषण प्राधिकारी अन्वेषण करेगा और लेखा-अहिंसों को निरीक्षण करेगा और अंतरंग व्यक्ति जिसके विश्व अन्वेषण किया जा रहा है विनियम 7 में उपचिनियत अपनी वाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए आवश्यक होगा।

7. बोर्ड द्वारा अन्वेषण पर अंतर्गत व्यक्ति का आधार:—(1) प्रत्येक अंतरंग व्यक्ति का जिसके लिए अन्वेषण किया जा रहा है यह कर्तव्य होगा कि वह ऐसी बहिर्यां, लेखा और अपनी अभिलेखा और नियंत्रण में अन्य दस्तावेजों अन्वेषण प्राधिकारी के समझ पेश करे और प्राधिकारी को प्रतिभूति बाजार में संवधारणों में संबंधित विवरण और जानकारी ऐसे समय के समतर दे जिसकी उत्त प्राधिकारी अपेक्षा करे।

(2) अंतरंग व्यक्ति अन्वेषण प्राधिकारी को ऐसे अंतरंग व्यक्ति के अधिभोग में परिसरों तक युक्तियुक्त पहुंच का अनुज्ञा देगा और स्टाक-इलास या किसी अन्य व्यक्ति के कठोर में किन्तु अहिंसों, अभिलेखों, दस्तावेजों और कम्प्यूटर डाटा को परीक्षा करने के लिए युक्तियुक्त मुहिदा भी देगा और ऐसे दस्तावेजों या अन्य सामग्री को प्रतियों भी देगा जो अन्वेषण प्राधिकारी की राय में गुम्बंग है।

(3) अन्वेषण प्राधिकारी, अन्वेषण के दोगने अंतरंग व्यक्ति के किसी सदस्य, निदेशक, भागीदार, स्वतंत्रधारी और कर्मचारी की परीक्षा करने और वायन लेखबद्ध करने का हक्कार होगा।

(4) अंतरंग व्यक्ति के प्रत्येक नियेशक, स्वतंत्रधारी, भागीदार, अधिकारी और कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह अन्वेषण प्राधिकारी को अन्वेषण के संबंध में सभी सहायता दे जिसके देने की अंतरंग व्यक्ति से युक्तियुक्त रूप से प्रत्याशा की जा सकती है।

8. बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना:—अन्वेषण प्राधिकारी अन्वेषण की समाप्ति से एक मास के मौत्र अन्वेषण रिपोर्ट बोर्ड को प्रस्तुत करेगा।

9. निष्कर्षों प्राप्ति की सूचना:—(1) बोर्ड अन्वेषण रिपोर्ट पर विचार के पश्चात अंतरंग व्यक्ति को निष्कर्षों की सूचना देगा और इससे पूर्व कि अन्वेषण प्राधिकारी के निष्कर्षों पर बोर्ड द्वारा कोई कार्रवाई भी जाती है उसे सुने जाने का अवसर दिया जाएगा।

(2) अंतरंग व्यक्ति में स्पष्टीकरण की, यदि कोई हो, प्राप्ति पर बोर्ड अंतरंग व्यक्ति से ऐसे उपाय करने की अपेक्षा कर सकेगा जो बोर्ड विनियानकर्ताओं के हित का संरक्षण करने के लिए और प्रतिभूति बाजार के हित में तथा अधिनियम, उसके अधीन बनाए गए नियमों और इन विनियमों के सम्बन्ध कालन के लिए ठीक समझे।

10. लेखा परीक्षक को नियुक्ति:—विनियम 5 में किसी बात के हीते हुए भी बोर्ड अंतरंग व्यक्ति को लेखा-अहिंसा या कामकाज का अवेषण करने के लिए एक अडिनेशापरीशक या लियुक्ति कर सकेगा, परंतु यह कि इस प्रकार लियुक्त लेखापरीशक को अन्वेषण प्राधिकारी की वही शक्तियाँ होंगी जो विनियम 5 में किया है और अंतरंग व्यक्ति का वे बाध्यताएँ होंगी जो विनियम 7 में हैं।

11. बोर्ड द्वारा निरेश:—विनियम 9 के उपचिनियम (2) के अधीन अंतरंग व्यक्ति में प्राप्त स्टार्टर करण पर यदि काई हैं, बोर्ड अधिनियम की धारा 24 के अधीन दॉडिक प्रतिभूति अवंत्रम करने के अपने अधिकार पर प्रतिभूति प्रभाव डाले बिना विनियानकर्ताओं के हित का संरक्षण करने और प्रतिभूति बाजार के हित में तथा अधिनियम, उसके अधीन बनाए गए नियमों और इन विनियमों के उपबंधों के सम्बन्ध कालन के लिए ऐसे निरेश दे सकेगा जो निम्नलिखित मधीं प्रयोजनों या उनमें से किसी के लिए यह ठीक समझे, अवति:—

(क) अंतरंग व्यक्ति को निरेश देना कि वह प्रतिभूतियों में किसी विशेष रीति से अवहार न करें;

(ख) इन विनियमों के प्रतिक्रियम में अजित किन्तु भी प्रतिभूतियों के व्ययन से अंतरंग व्यक्ति को प्रतिषिद्ध करना;

(ग) प्रतिभूतियों में अवहार करने के लिए किसी व्यक्ति को सूचना देने या परामर्श देने से अंतरंग व्यक्ति को निर्बन्धित करना।

12. केन्द्रीय सरकार को अपील:—इन विनियमों के अधीन बोर्ड के आदेश से व्यक्ति कोई व्यक्ति केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा।

जी. वी. शमकृष्ण, अध्यक्ष, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA NOTIFICATION

Bombay, the 19th November, 1992

Securities and Exchange Board of India

(Insider Trading) Regulations, 1992

No. LE/6308/92.—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely:—

CHAPTER I

PRELIMINARY

- Short title and commencement.—(1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Insider Trading) Regulations, 1992.
- These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires :—

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "body corporate" means a body corporate as defined in section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (c) "connected person" means any person who—
 - (i) is a director, as defined in clause (13) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) of a company, or is deemed to be a director of that company by virtue of sub-clause (10) of section 307 of that Act or
 - (ii) occupies the position as an officer or an employee of the company or holds a position involving a professional or business relationship between himself and the company and who may reasonably be expected to have an access to unpublished price sensitive information in relation to that company ;
 - (d) "dealing in securities" means an act of buying, selling or agreeing to buy, sell or deal in any securities by any person either as principal or agent;
 - (e) "insider" means any person who, is or was connected with the company or is deemed to have been connected with the company and is reasonably expected to have access, by virtue of such connection, to unpublished price sensitive information in respect of securities of the company, or who has received or has had access to such unpublished price sensitive information;
 - (f) "investigating authority" means any officer of the Board or any other person, not being a firm, body corporate or an association of persons, having experience in dealing with the problems relating to the securities market and who is authorised by the Board under Chapter III;
 - (g) "officer of a company" means any person as defined in clause (30) of section 2 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) including an auditor of the company;
 - (h) "person is deemed to be a connected person", if such person—
 - (i) is a company under the same management or group, or any subsidiary company thereof within the meaning of sub-section (1B) of section 370, or sub-section (11) of section 372, of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or sub-clause (g) of section 2 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969) as the case may be; or

- (ii) is an official or a member of a stock exchange or of a clearing house of that stock exchange, or a dealer in securities within the meaning of clause (c) of section 2, and section 17 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) respectively, or any employee of such member or dealer of a stock-exchange;
- (iii) is a merchant banker, share transfer agent, registrar to an issue, debenture trustee, broker, portfolio manager, Investment Advisor, sub-broker, Investment Company or an employee thereof, or is member of the Board of Trustees of a mutual fund or a member of the Board of Directors of the Asset Management Company of a mutual fund or is an employee thereof, who have a fiduciary relationship with the company ;
- (iv) is a Member of the Board of Directors or an employee of a public financial institution as defined in section 4A of the Companies Act 1956; or
- (v) is an official or an employee of a self Regulatory organisation recognised or authorised by the Board of a regulatory body; or
- (vi) is a relative of any of the aforementioned persons;
- (vii) is a banker of the company.
- (i) "relative" means a person, as defined in section 6 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (j) "stock exchange" means a stock exchange which is recognised by the Central Government under section 4 of Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
- (k) "unpublished price sensitive information" means any information which relates to the following matters or is of concern, directly or indirectly, to a company, and is not generally known or published by such company for general information, but which if published or known, is likely to materially affect the price of securities of that company in the market—
 - (i) financial results (both half-yearly and annual) of the company;
 - (ii) intended declaration of dividends (both interim and final);
 - (iii) issue of shares by way of public rights, bonus, etc.;
 - (iv) any major expansion plans or execution of new projects;
 - (v) amalgamation, mergers and takeovers;
 - (vi) disposal of the whole or substantially the whole of the undertaking;

- (vii) such other information as may affect the earnings of the company.
- (viii) any changes in policies, plans or operations of the Company.

CHAPTER II

PROHIBITION ON DEALING, COMMUNICATING OR COUNSELLING

3. Prohibition on dealing, communication or counselling on matters relating to insider trading.—No insider shall—

- (i) either on his own behalf or on behalf of any other person, deal in securities of a company listed on any stock exchange on the basis of any unpublished price sensitive information; or
- (ii) Communicate any unpublished price sensitive information to any person, with or without his request for such information, except as required in the ordinary course of business or under any law; or
- (iii) counsel or procure any other person to deal in securities of any company on the basis of unpublished price sensitive information.

4. Violation of provisions relating to insider trading.—Any insider who deals in securities or communicates any information or counsels any person dealing in securities in contravention of the provisions of regulation 3 shall be guilty of Insider trading.

CHAPTER III

INVESTIGATION

5. Board's right to investigate.—(1) Where the Board, on the basis of written information in its possession, is of the opinion that it is necessary to investigate and inspect the books of account, other records and documents of an insider for any of the purposes specified in sub-regulation (2), it may appoint an investigating authority for the said purpose;

(2) The purposes referred to in sub-regulation (1) may be as follows :

- (a) to investigate into the complaints received from investors, intermediaries or any other person on any matter having a bearing on the allegations of insider trading; and
- (b) to investigate suo-moto upon its own knowledge or information in its possession to protect the interest of investors in securities against breach of these regulations

6. Procedure for investigation.—(1) Before undertaking any investigation under regulation 5 the Board shall give a reasonable notice to insider for that purpose.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of investors or in public interest no such notice should be given, it may be an order in writing direct that the investigation be taken up without such notice.

(3) On being empowered by the Board, the investigating authority shall undertake the investigation and inspection of books of account and the insider against whom an investigation is being carried out shall be bound to discharge his obligations as provided in regulation 7.

7. Obligation of insider on investigation by the Board.—(1) It shall be the duty of every insider, who is being investigated, to produce to the investigating authority such books, accounts and other documents in his custody or control and furnish the authority with the statements and information relating to the transactions in securities market within such time as the said authority may require.

(2) The insider shall allow the investigating authority to have reasonable access to the premises occupied by such insider and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the stock-broker or any other person and also provide copies of documents or other materials which in the opinion of the investigating authority are relevant.

(3) The investigating authority, in the course of investigation, shall be entitled to examine or record statements of any member, director, partner, proprietor and employee of the insider.

(4) It shall be the duty of every director, proprietor, partner, officer and employee of the insider to give to the investigating authority all assistance in connection with the investigation, which the insider may be reasonably expected to give.

8. Submission of Report to the Board.—The investigating authority shall, within one month of the conclusion of the investigation submit an investigation report to the Board.

9. Communication of Findings etc.—(1) The Board shall after consideration of the investigation report communicate the findings to the insider and he shall be given an opportunity of being heard before any action is taken by the Board on the findings of the investigating authority.

(2) On receipt of the explanation, if any, from the insider, the Board may call upon the insider to take such measures as the Board may deem fit to protect the interest of investors and in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act, rules made thereunder and these regulations.

10. Appointment of Auditor.—Notwithstanding anything contained in regulation 5, the Board may appoint a qualified auditor to investigate into the books of account or the affairs of the insider; Provided that, the auditor so appointed shall have the

same powers of the inspecting authority as stated in regulation 5 and the insider shall have the obligations specified in regulation 7.

11. Directions by the Board.—On receipt of the explanation, if any, from the insider under sub-regulation (2) of regulation 9, the Board may without prejudice to its right to initiate criminal prosecution under section 24 of the Act, give such directions to protect the interest of investors and in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act, rules made thereunder and these regulations, as it deems fit for all or any of the following purposes, namely :—

- (a) directing the insider not to deal in securities in any particular manner;
- (b) prohibiting the insider from disposing of any of the securities acquired in violation of these regulations;
- (c) restraining the insider to communicate or counsel any person to deal in securities.

12. Appeal to the Central Government.—Any person aggrieved by an order of the Board under these regulations may prefer an appeal to the Central Government .

G. V. RAMAKRISHNA, Chairman,
Securities & Exchange Board of India.